ग्रामीण शिक्षा केन्द्र सवाई माधोपुर
गोद लिया विद्यालय
राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदल
वार्षिक योजना सत्र 2012–13

1 शाला में उपलब्ध संसाधन :–

(1) मानवीय संसाधन –

(क) नामांकित बच्चों की संख्या –

समूह	छात्र	छात्रा	योग
पूर्व प्राथमिक	30	48	78
प्राथमिक	18	22	40
योग	**48**	**70**	**118**

(ख) शिक्षक / शिक्षिकायेँ :– कुल संख्या – 12

	संस्था	राजकीय
प्राथमिक	5	2
पूर्व प्राथमिक	2	3
योग	**7**	**5**

विवरण :–

राजेश कुमावत :– इनकी योग्यता एमए है। जम्मू विश्वविद्यालय से बीएड किया है। पिछले 6 वर्ष से ये ग्रामीण शिक्षा केन्द्र में **प्राथमिक शिक्षक व समूह प्रभारी** के पद पर कार्यरत हैं। एक वर्ष तक पब्लिक स्कूल में कार्य किया है व सिलाई का कार्य जानते हैं।

सपना राजावत :– इनकी योग्यता बी.ए., बी.एड. है। पिछले 4 वर्षों से ग्रामीण शिक्षा केन्द्र में **पूर्व प्राथमिक शिक्षिका** के पद पर कार्यरत हैं। इन्हें कढ़ाई, रंगोली, मेंहदी, मांडणे बनाना व राजस्थानी गीतों पर नृत्य करना आता है।

ममता साहू :– इनकी योग्यता एम.ए., बी.एड., कम्प्यूटर डीसीए कोर्स व एन.एस.एस.+3 है। पिछले तीन वर्षों से ग्रामीण शिक्षा केन्द्र में शिक्षिका के पद पर कार्यरत हैं। ब्यूटिशियन का अनुभव है। रंगोली, मांडणे, कढ़ाई, मेहंदी लगाना आता है।

जगदीश प्रसाद – इनकी योग्यता बी.ए.ए बी.एड. है। अनुभव 10 वर्ष बोध शिक्षा समिति। वर्तमान में सितम्बर माह से **प्राथमिक शिक्षक** के पद पर कार्यरत हैं।

पृथ्वीराज :– इनकी शैक्षणिक योग्यता दसवीं है। पिछले 3 वर्षों से ग्रामीण शिक्षा केन्द्र में **कारपेन्ट्री शिक्षक** के पद पर कार्यरत हैं। गुजरात में फर्नीचर की दुकान पर 2 वर्ष तक कारपेन्ट्री का कार्य किया है। इन्हें ऑटो चलाना भी आता है।

हेमराज हल्दुनिया– इनकी योग्यता बी.ए., बी.पी.एड. है। पिछले 1 वर्ष से ग्रामीण शिक्षा केन्द्र में **शारीरिक शिक्षक** के पद पर कार्यरत हैं। 2 वर्ष तक अंशकालीन ग्रामीण खेल प्रशिक्षक के पद पर खण्डार में कार्य किया है। स्टेट फुटबॉल और जिला स्तरीय क्रिकेट और तैराकी प्रतियोगिताओं में प्रतिभागी के रूप में भाग लिया है। 2 वर्ष तक पब्लिक स्कूल में कार्य किया है। कबड्डी, खो–खो खेलों की जानकारी है।

पूजा अग्रवाल – इनकी योग्यता एम.ए., शिक्षाशास्त्री है। एनएसएस 2+3 वर्ष है। ये माह सितम्बर से **पूर्व प्राथमिक शिक्षिका** के पद पर कार्य कर रही हैं। पेपरमेशी, मेंहदी कार्य आता है।

राजकीय शिक्षिकायें –

शरीफा बानो – प्रधानाध्यापिका

मधुबाला शर्मा – शिक्षिका

ममता गुर्जर – आँगनबाड़ी कार्यकर्ता

सपना प्रजापत – आँगनबाड़ी सहायिका

चन्द्रकांता शर्मा – आशा सहयोगिनी

(2) भौतिक संसाधन :–

(क) विद्यालय में कुल 6 कमरे हैं –

1 प्रधानाध्यापक कक्ष

3 कक्षाकक्ष

1 भण्डार गृह

1 पोषाहार कक्ष (रसोई घर)

(ख) शौचालय – 6

3 – पुरूष शौचालय व 3– महिला शौचालय

इनमें से पुरूषों का 1 व महिलाओं के 2 शौचालय काम में लिये जाते हैं। एक का किवाड़ टूटा हुआ है।

(ग) पेयजल व्यवस्था – 1 हैण्डपम्प चाले अवस्था में है।

(घ) शाला के चारों तरफ पक्की चारदीवारी है।

(ड.) शाला के अन्दर लगभग 20–25 पौधे लगे हुए हैं।

(च) खेल का मैदान है। (14X10 का)

(छ) एक आँगनबाड़ी कक्ष व एक भण्डार कक्ष है।

(ज) एक पानी की टंकी है जो चालू हालत में नहीं है।

2 शाला स्तर पर कार्य योजना :–

(क) बच्चों के साथ अकादमिक कार्य –

- बच्चों का स्तर जाँच कर उनका टारगेट पूरा करना।
- जो बच्चे स्तर से पीछे चल रहे हैं उनके लिए विशेष योजना बनाना।
- गतिविधि आधारित शिक्षण व्यवस्था को बढ़ाना।
- बालकेन्द्रि शिक्षण व्यवस्था के आधार पर प्रत्येक बच्चे का सतत् मूल्यांकन करना।

(ख) बच्चों के साथ कलात्मक कार्य –

- नृत्य – सपना जी द्वारा
- कारपेन्ट्री – पृथ्वीराज जी द्वारा
- नाटक – समूह शिक्षक
- पोट्री – मुरारी जी द्वारा
- चरखा – समूह शिक्षक
- रचनात्मक लेखन (हिन्दी) – समूह शिक्षक
- चित्रकला – समूह शिक्षक
- दस्तकारी – ममता जी द्वारा
- सिलाई – राजेश जी द्वारा

(ग) खेल/स्वास्थ्य।

(घ) बालकेन्द्रित व नवाचारात्मक शिक्षा पर व समस्याओं पर शिक्षकों से बातचीत करना।

3 समुदाय स्तर पर किये जाने वाले कार्य –

(क) समुदाय में नियमित सम्पर्क।

(ख) महिलाओं के साथ नियमित बैठक –

- बच्चों की शैक्षणिक प्रगति पर बातचीत करना।
- बच्चों व महिलाओं के स्वास्थ्य व पोषण सम्बन्धी बातचीत करना।
- शिक्षा के अधिकार कानून के अनुसार बच्चों के शिक्षा के अधिकार पर जिम्मेदारियों पर बातचीत करना।
- महिला दिवस का आयोजन (कार्यक्रम) करना।

(ग) उमंग समूह + युथ ग्रुप के साथ कार्य (बोदल)

- खेल के माध्यम से शाला से नियमित जोड़ना।
- खेलों का आयोजन करवाना। (वॉलीबॉल, फुटबॉल, खो–खो)
- 15–20 वर्ष तक के बच्चों की ओपन खेल प्रतियोगिता में भाग लेना।

(घ) एसएमसी के साथ काम करना।

- एसएमसी का पुनर्गठन आरटीई के अनुसार 50 प्रतिशत महिलाओं सहित।
- बजट/वार्षिक योजना पर बातचीत करना।
- शाला निर्माण कार्य पर चर्चा एवं सहयोग।
- आरटीई पर चर्चा करना।
- बच्चों के पोषण एवं स्वास्थ्य सम्बन्धी बातचीत।
- एसएमसी के सदस्यों को संस्था की शिक्षण विद्याओं से परिचित करवाना।
- बच्चों के नामांकन, उपस्थिति एवं प्रोग्रेस को लेकर एसएमसी और अभिभावकों की सम्मिलित बैठक आयोजित करना।
- संस्था के मिशन–विजन पर बातचीत।

4 शाला व्यवस्था सम्बन्धी कार्य :–

- शाला सलाहकार समिति के सदस्यों के नाम को बोर्ड पर लिखवाना।
- शाला के कमरों एव शौचालयों की पुताई करवाना।
- टूटी हुई छतों की मरम्मत करवाना।
- बिजली कनेक्शन करवाना।
- कबड्डी का मैदान तैयार करवाना।
- स्टोर, लाइब्रेरी को व्यवस्थित करना।
- पेड़–पौधों का संरक्षण करना।

5 बच्चों के साथ किये जाने वाले अन्य कार्य :–

मिट्टी का कार्य

यह कार्य पोट्री शिक्षक मुरारी लाल द्वारा करवाया जायेगा।

10 से 11 वर्ष तक के बच्चों के लिए 1.1 से 3.9 तक

11 से 12 वर्ष तक के बच्चों के लिए 4.1 से 5.2 तक

1.1 मिट्टी साफ करना।

1.2 मिट्टी फुड़वाना।

1.3 बारिक मिट्टी एवं मोटी मिट्टी को अलग–अलग करना।

1.4 मोटी मिट्टी को गलाना।

1.5 मिट्टी को गुंदना।

1.6 मिट्टी के अनुपात में खाद मिलाने की समझ।

1.7 मिट्टी तैयार करना।

1.8 साफ–सफाई के प्रति बातचीत।

1.9 मिट्टी तैयार करने की प्रक्रिया पर चर्चा।

1.10 बच्चों में पोट्री के प्रति सोच एवं मूल्यों का विकास करना।

1.11 बच्चे मिट्टी तैयार करने का अभ्यास करें।

2.1 बच्चे खिलौने बनाने के लिए मिट्टी तैयार करें।

2.2 बच्चों को मिट्टी से लड्डू, गेंद, कंची, संतरा, चेहरा, बाटी, सूरज, गुलाब जामुन आदि बनाना बताये।

2.3 खिलौनों को सुखाना।

2.4 खिलौनों को आकृति के आधार पर रंग करवाना।

2.5 बच्चों से लम्बी आकृति बनवाना जैसे (छड़ी, पैंसिल, कलम, गाजर, मूली, बेलन, टॉफी, भिण्डी आदि।

2.6 खिलौनों को सुखवाकर आकृति के आधार पर रंग करवाना।

2.7 शिक्षक बच्चों द्वारा बनाई गई आकृतियों से बनी एक कहानी सुनाए (काल्पनिक)

2.8 बच्चों से उनके द्वारा किये गये काम पर चर्चा।

2.9 बच्चों को पोट्री के बारे में जानकारी देना/चित्र दिखाना।

3.1 बच्चा गोल, लम्बी, चपटी आकृतियों को मिलाकर आकृति बनाए जैसे–हथौड़ी, टॉफी (लॉलीपॉप) आइसक्रिम, साबुन, रोटी, मोबाईल, चकला, टायर, पलंग बक्सा, चूड़ी, थाली आदि।

3.2 बच्चों द्वारा बनाई गई आकृतियों को सुखाना व उनमें आकृति के अनुसार रंग भरवाना।

3.3 शिक्षक बच्चों को मिट्टी से पक्षियों व छोटे जानवरों की आकृति बनाना बताएगा जैसे–कबूतर, तोता, चिड़िया, मैना, मछली, मगरमच्छ, बिच्छू, कैंकड़ा, मुर्गा, मोर आदि।

3.4 बच्चे स्वयं से खिलौने सुखाए तथा आकृतिनुसार उनमें रंग भरें।

3.5 शिक्षक बच्चों को जानवरों व यातायात के साधनों की आकृति बनाना बताए जैसे–गाय, भैंस, हाथी, ऊँट, शेर, गधा घोड़ा, जीप, ट्रक, बस आदि।

3.6 शिक्षक खिलौनों को सुखवाए तथा आकृति अनुसार रंग भरवाये।

3.7 शिक्षक बच्चों द्वारा बनाई गई आकृतियों के इस्तेमाल से कहानी सुनाए (काल्पनिक)

3.8 शिक्षक द्वारा बच्चों से उनके द्वारा कार्य पर चर्चा करना।

3.9 शिक्षक बच्चों से उपरोक्त आकृतियों को बनाने एवं रंग भरवाने का अभ्यास करवाये।

4.1 शिक्षक बच्चों को खूंटी गाढ़ना एवं उस पर चाक लगाना बताएगा।

4.2 बच्चे शिक्षक की मौजूदगी में अभ्यास करेंगे।

4.3 शिक्षक चाक के प्रति रखी जाने वाली सावधानियाँ, उपयोग, चाक कहाँ, कैसे बनता है आदि विषयों पर बच्चों के साथ बातचीत करना।

4.4 शिक्षक द्वारा बच्चों को चाक फिराने में डण्डे के उपयोग के बारे में बताना।

4.5 फिरते हुए चाक में डण्डा लगाना व निकालना बताया जायेगा।

4.6 बच्चे शिक्षक की मौजूदगी में चाक फिराने का अभ्यास करेंगे।

4.7 शिक्षक द्वारा बच्चों को चाक पर मिट्टी रखना एवं हाथ से आकृति बनाने हेतु लम्बी करना बताया जायेगा।

4.8 शिक्षक बच्चों को दीपक, मटका, गिलास, बड़ा दीपक, गुल्लक आदि बनाना बताएगा एवं सूतली (धागा) से बनी हुई आकृति को चाक के ऊपर से काटना बतायेगा।

4.9 शिक्षक बच्चों को खिलौनें को सुखाना एवं आकृति अनुसार रंग करना बताएगा।

4.10 बच्चों द्वारा बनाई गई आकृतियों का इस्तेमाल करते हुए काल्पनिक कहानी सुनाना।

4.11 बाहरी दुनिया में मिट्टी के ऊपर होने वाले कार्यों की जानकारी देना एवं चित्र दिखाना।

4.12 बच्चों द्वारा किये गये कार्य पर शिक्षक द्वारा चर्चा करना।

4.13 बच्चे चाक पर खिलौने बनाने का खुद से अभ्यास करें।

5.1 शिक्षक बच्चों को खिलौने पकाना बताए।

5.2 बच्चों द्वारा किये गये कार्य पर शिक्षक चर्चा करे (सामग्री का इस्तेमाल, पकाने की कार्यविधि आदि)

स्वास्थ्य

डाईट रजिस्टर शारीरिक शिक्षक द्वारा विद्यालय स्तर पर तैार कराया जायेगा।

1 डाईट चार्ट का निर्माण (समूहवार)

2 वजन और लम्बाई चार्ट (समूहवार प्रत्येक महिने के प्रथम सप्ताह में)

3 अभिभावकों से बच्चों की डाईट के बारे में पूछताछ।

4 कैलोरी की कमी वाले छात्रों का चयन।

5 कैलोरी की कमी वाले बच्चों के अभिभावकों को को कैलोरी की कमी के बारे में बताना व उनको उनकी पूर्ति के लिए उपलब्ध सामग्री बताना व प्रयोग करने की सलाह देना।

6 एक सप्ताह बाद फिर से उन छात्रों की डाईट का पता करना व अभिभावकों से बातचीत करना।

7 अभिभावकों द्वारा छात्रों को सामग्री उपलब्ध नहीं कराने वाले छात्रों का चयन किया जायेगा।

8 विटामिन की कमी होने पर गोलियाँ की व्यवस्था विद्यालय स्तर पर की जायेगी।

9 सभी छात्र–छात्रायें व शिक्षक अपने समूह में गोल घेरा बनाकर खाना खायेंगे और सभी बच्चों से शिक्षक भोजन के बारे में बातचीत करेगा।

10 पोषाहार में कितनी कैलोरी बच्चे को मिल रही है। यह निकालना व भोजन में क्या–क्या मिल रहा है व कितनी ग्राम मिल रहा है, इसकी जानकारी लेना।

खेल योजना

इस वर्ष निम्न खेलों पर कार्य किया जायेगा।

- कबड्डी।
- एथलेटिक्स।
- खो–खो।

(1) कबड्डी :–

उद्देश्य :– बच्चों का शारीरिक व मानसिक विकास करना तथा बच्चों को जिला व राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं तक पहुँचाना। बच्चों को साथ लेकर कबड्डी का मैदान बनवाया जायेगा।

समूह – गुलशन, फूल समूह के साथ कबड्डी खेल पर कार्य किया जायेगा।

केन्ट की निरन्तरता का अभ्यास (माह जुलाई)

गतिविधि :– शारीरिक शिक्षक सभी बच्चों को कबड्डी के मैदान के बाहर वार्म अप व्यायाम करवायेगा इसके बाद दो बच्चों को केचर के रूप में खड़ा किया जाएगा। रेडर कबड्डी शब्द का उच्चारण करे हुए कैचर को आउट करने का प्रयास करेगा।

सभी बच्चे कबड्डी–कबड्डी बोलते हुए 10 सैकण्ड तक दौड़ने का अभ्यास करेंगे।

चैन बनाना (अगस्त माह)

गतिविधि :– बच्चों के आपस में दो समूह बनाये जायेंगे तथा एक बच्चा रेडर होगा। बाकि के बच्चे आपस में चैन बनाते हुए रेडर को चैन में फँसाने की कोशिश करेंगे यह कौशल सभी बच्चों से बारी–बारी से करवाया जायेगा।

बेक किक, राउण्ड कि, साईड किक का प्रयोग (सितम्बर, अक्टूबर माह)

गतिविधि :– बच्चों को एक लाईन में खड़ा करके बेक किक, साईड किक व राउण्ड किक का अभ्यास करवाया जायेगा।

टो टच का प्रयोग (नवम्बर, दिसम्बर माह)

गतिविधि :– बच्चों की आपस में दो टीमें बनाई जायेंगी तथा बीर–बारी से सभी बच्चों को टो टच का कौशल सिखाया जायेगा।

माह दिसम्बर में कटार व बोदल के विद्यालय के बच्चों के बीच मैत्री मैच करवाया जायेगा।

(2) वॉलीबॉल

समूह :– यह कार्य उमंग समूह के साथ किया जायेगा।

वॉलीबॉल खेल में निम्न कौशल अपनायें जायेंगे –

- अण्डर हैण्ड सर्विस।
- अण्डर हैण्ड पास।
- टेनिस सर्विस।
- रोटेशन बदलना।
- नेटर पोजिशन।
- नेटर द्वारा पॉइन्ट बनाना।

फाऊल के बारे में बताना जैसे –

- यदि बॉल दो बार टच हो जाए।
- अपर हैण्ड करते समय अंगुलियों के बिच से बॉल निकल जाए।
- यदि बॉल हाथों या अंगुलियों पर रेस्ट करे।
- यदि स्मेश करते समय बॉल नेट को छू जाए।
- बॉल को नेट क्रॉस करने के बाद हिट किया जाए।
- बेक लाईन प्लेयर यदि अटेक लाईन में आकर स्मैश करे।
- यदि खिलाड़ी मध्य रेखा को क्रॉस करे।

अन्य कार्य जैसे –

1. जनवरी माह में उमंग समूह व रांवल के बच्चों के बीच फुटबॉल का मैत्री मैच करवाया जाएगा।
2. अप्रेल माह में जगनपुरा टिम के साथ वॉलीबॉल का मैत्री मैच करवाया जायेगा।
3. किलोल के लिए कबड्डी की टीम तैयार करना।

(3) खो–खो

वाटिका समूह के बच्चों के साथ खो–खो खेल पर कार्य करवाया जायेगा।

खेल कौशल –

(क) वर्ग में बैठना – शारीरिक शिक्षक द्वारा सभी बच्चों को वर्ग में उकडू बैठाया जायेगा। चेंजर के दोनों हाथ गैलेरी के बाहर रखेगा। तथा चेंजर का पंजों के अतिरिक्त कोई भी अंग वर्ग को नहीं छूना चाहिए। तथा चेंजर एक दूसरे से विपरीत दिखा में मुँ करके बैठ जायेंगे व चेंजर की नजर रनर पर होगी।

(ख) खो देना – चेंजर को जिस खिलाड़ी को खो देना है उसे पीछे क्रॉस लाईन कोपार न करें। चेंजर साथी खिलाडत्री की पीठ को छूकर खो दे। खिलाड़ी को छुने व खो शब्द का उच्चारण एक साथ होगा। खो देने के बाद चेंजर आगे नहीं बढ़ेगा।

(ग) बेक खो देना – शारीरिक शिक्षक द्वारा बच्चों को बेक खो देना सिखाया जायेगा।

(घ) शारीरिक शिक्षक द्वारा बच्चों को डाईव मारना सिखाया जायेगा ताकि वे रनर को डाईव लगाकर आऊट कर सकें।

(ड.) चेन बनाना – शारीरिक शिक्षक द्वारा बच्चों को सिंगल चेन व डबल चेन बनाना सिखाया जायेगा।

अन्य कार्य –

1 बच्चों को खो–खों में डाईट स्तर से जिला स्तर की खेल प्रतियोगिता तक पहुँचाना।

2 नवम्बर माह में फरिया के उदय स्कूल के बच्चों को राजकीय प्राथमिक विद्यालय में खो–खो व कबड्डी खेल के लिए आमन्त्रित करना।

3 दिसम्बर महा में जगनपुरा के बच्चों के साथ कबड्डी का मैत्री मैच कराना।

4 किलोल के लिए छात्राओं की कबड्डी की टीम तैयार करना।

हस्तकला

यह कार्य वाटिका समूह के साथ किया जायेगा।

उद्देश्य :– कला कार्यों के प्रति रूचि पैदा करना। आँख व हाथों का सन्तुलन, रचनात्मकता, कौशल का विकास।

समय :– जुलाई से अगस्त माह तक, सप्ताह में एकबार (सादा कढ़ाई)

सामग्री :– एंकर धागे की लच्छियाँ एक पैकेट, सुइयाँ छोटी वाली 25–30, प्रिन्टेट सूती या कॉटन कपड़ा 2 मीटर, गोल लकड़ी फ्रेम 10 मिडियम साईज के।

गतिविधि :– सबसे पहले शिक्षिका बच्चों को इस काम को करने के बारे में बातचीत करके समझाएगी। शिक्षिका स्वयं करेगी फिर 2–2 के ग्रुप में बच्चों को सामान देकर काम को सीखाती जाएगी। इस कार्य में बच्चों को सुईं में धागा पिरोकर फूल–पत्तियों पर सादा तारे वाली कढ़ाई को करने का काम होगा।

पैरदान बनाना

समय :– सितम्बर से दिसम्बर माह तक, सप्ताह में एकबार।

सामग्री :– एक मीटर लम्बी व 3 सेमी चौड़ी कपड़े की लीरे रंग बिरंगी 3 किलो, जूट का 1 कट्टा, मोटी सुइयाँ 5ए मोटा धागा 1 गिट्टा।

गतिविधि :– सभी बच्चों को शिक्षिका काम के बारे में बताएगी कि क्या और कैसे करना है। उसके बाद बच्चों को ग्रुप में बैठाकर उन्हें कपड़े की लीरें देकर स्वयं गुथना बताएगी फिर दोकर बच्चे बनायेंगे, शिक्षिका उनकी मदद करेगी। इस तरह कपड़े की लीरों को गुथकर रस्सियाँ बनाने का काम किया जायेगा। जब रस्सियाँ तैयार हो जाएगी तो कट्टे को पैरदान के आकार में काटकर उस पर उन्हें सिलने का काम शिक्षिका करेगी बच्चे देखकर समझेंगे व करने का अभ्यास करेंगे।

पेन स्टेण्ड, सामान रखने के डिब्बे बनाना

समय :– जनवरी से मार्च माह तक सप्ताह में एक दिन।

सामग्री :– मोटे गत्ते वाले खाली डिब्बे, रंग–बिरंगे वेलवेट पेपर, फेवीकॉल, कैंची, काँच के पीसेज अलग–अलग आकारों में कटु हुए, लच्छा पक्के रंग वाला।

गतिविधि :– शिक्षिका सभी बच्चों को गोल घेरे में बैठाएगी तथा काम के बारे में चर्चा करेगी। खाली डिब्बा लेकर उसे उपर्युक्त सामग्री का जरूरत के अनुसार इस्तेमाल करते हुए पैन स्टेण्ड समायानुसार बनायेंगे। एक पूरा होने पर बच्चे शिक्षिका की मदद से अन्य बनायेंगे।

सिलाई

यह कार्य शिक्षक राजेश जी द्वारा करवाया जायेगा।

उद्देश्य :– हाथ व आँखों का सन्तुलन। कौशल का विकास।

समूह :– गुलशन (यह कार्य माह में 3 बार किया जायेगा)

सामग्री :– सुंइ – 20, धागा – गिट्टे, फटे पुराने कपड़े, नये कपडे– 10 मीटर, कैची–10

प्रक्रिया :–

1 सुंई में धागा पिरोना व उसमें अंगुली से गाँठ देना।

2 सीधी सिलाई, दो कपड़ों को ऊपर–नीचे रखकर जोड़ना सिखाना।

3 कपड़े को पकड़कर तुरपाई (गोल सिलाई) करना सिखाना।

4 बच्चों के कटे हुए कपड़ों को स्वयं ठीक करेंगे एवं इन स्टेप्स के उपयोग से छोटी–छोटी चीजें बनवाना – जैसे डस्टर, जेब आदि।

5 बटन लगाना सिखाना।

6 काज करना सिखाना।

7 कपड़े को तिरछाव सीधा कटवाना।

8 कटे कपड़ों पर कपड़ा लगाकर सिलना सिखाना।

नृत्य

शिक्षिका – सपना राजावत

समूह – आकाश

समय – सप्ताह में 1 दिन (15 मिनट)

नृत्य – बालगीत व लोकनृत्य

प्रक्रिया – पहले सामान्य स्टेप बताई जायेगी जिसमें शरीर में लचीलापन लाने के लिए कुछ एक्सरसाईज करवाई जायेंगी जैसे –

हाथों की एक्सरसाईज – इसमें हाथों को घुमाना, कलाई घुमाना, कंधे घुमाना, हाथों को लहराना आदि।

पैरों की एक्सरसाईज – फ्रि जम्प, पैर को दायें–बायें व गोलाई में घुमाना। पैर को स्टेप बाई आगे–पिछे उठाना आदि।

1 डांस सिखाने के लिए सभी बच्चों को गोल घेरे`में खड़ा करके सीधे पैर को 1 2 3 4 के साउण्ड में उठाना बताया जायेगा।

2 इसमें बच्चे पैर उठाने के साथ कमर को स्टेप बाई स्टेप हिलाना सिखाया जायेगा।

3 इसमें बच्चों को हाथों के एक्शन बताये जायेंगे।

4 जब बच्चे ऊपर के स्टेप बाई प्रक्रिया ठीक से दोहराने लगेंगे तब उन्हों हाथों के एक्शन के साथ गीत के बोल व हावभाव के अनुसार नृत्य करना सिखाया जायेगा।

5 शुरूआत में बच्चों के साथ बालगीत हरा समंदर, सूरज के देश में, छोटे बच्चों का कमाल को हावभाव के साथ दोहराया जायेगा।

6 जब बच्चे बालगीत पर नृत्य करने लगेंगे तब शिक्षिका की इच्छानुसार कोई भी लोकगीत पर बच्चों को नृत्य करके बतायेंगी व बच्चों को स्टेप बाई स्टेप सिखायेंगी।

साप्ताहिक कार्यशाला :– प्रत्येक माह गुरूवार को होगी।

1 प्रथम कार्यशाला में शिक्षकों के साथ काम के दौरान आने वाली समस्याओं लेबल, अवधारणाओं, प्रोग्रेस पर बातचीत करना/तैयारी, प्रस्तुतीकरण करना।

2 पुस्तक पठन चर्चा व प्रस्तुतीकरण, कला कार्य, मोरंगे के लिए रचनाओं का चयन।

3 अभिभावकों के साथ बच्चों के शैक्षणिक प्रगति व स्वास्थ्य सम्बन्धी बातचीत करना।

ग्रामीण शिक्षा केन्द्र
राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदल
वार्षिक बजट 2012–13

क्र.स.	*विवरण*	*राशि (रूपयों में)*
1	टीएलएम	80000
2	6 कमरों एवं बरामदे की मरम्मत	80000
3	ब्लेक बोर्ड की मरम्मत एवं पुताई	5000
4	शाला की पुताई	15000
5	टॉयलेट के किवाड़ को ठीक करवाना	500
6	बिजली कनेक्शन की फाईल लगवाना	5000
7	एक स्थाई/अस्थाई कक्षा कक्ष का निर्माण	250000
8	शाला की चार दीवारी को 3–3 फीट ऊँचा करवाना –	60000
9	शाला के अन्दर की साफ–सफाई + बाहर चार दीवारी के आस–पास की सफाई।	3000
10	पैड़ पौधों के तारबन्दी/बाड़ बंदी	4000
11	एसएमसी सदस्यों के नाम को साईन बोर्ड पर लिखवाना	1500
12	आँगनबाड़ी के आगे की सर्फा एवं तारबंदी करवाना	5000
13	कबड्डी खेल के लिए 2 ट्रोली चिकनी मिट्टी डलवाना	1500
14	पोट्री के लिए एक ट्रोली मिट्टी व चाक लगवाना	1000
15	बोरिंग/पानी की मोटर डलवाना	100000
16	हैण्डीक्राफ्ट	3080
17	नृत्य (म्यूजिक सिस्टम, सी.डी.)	5000
18	ढोलक व बड़े ढोल की मरम्मत	700
19	रेक	5000
20	माईक सेट	4000
21	रूई, सिलाई, कपड़ा	2500
22	खेल सामग्री, मैदान तैयारी आदि, प्रतियोगिता में भाग लेना	20000
	योग	**651780**